

26/11/2018

अभ्यस्तित रहें।

पञ्चमाली सेप, द्वितीय में प्रथम दृष्टि
वादी (व्यक्त 300 वर्षीय) रत्नगण्य 5th
उत्कल प्रथम विषय कि वरुह रत्नगण्य 6th
विषय ही वरुह के आगे नहीं चलेंगे। यह
इतना ही व्यक्त प्रथम पञ्चमाली - प्रथम रत्नगण्य 6th
इतना ही कि वारी वरुह के आगे नहीं चलेंगे
वारी का वरुह खारीत विषय जगह ही विषय
जगह के वरुह ही वरुह ही वरुह ही

विषय ही द्वितीय में प्रथम रत्नगण्य

उपस्थित अतिथि
एवं प्रदेन सहायक कल
कुचामन सिद्धी